गणतन्त्र दिवस

श्रीमति सुषमा शर्मा

गणतन्त्र दिवस के पावन अवसर पर
आओ नमन करें, अमर भाहीदों को,
जिनके बलिदानों के दम पर
आजादी मिली हम सब को।

पूर्ण स्वराज हुआ जब घोषित
26 जनवरी सन् 1930 को,
उसी दिवस को चिरस्मरणीय करने को
गणतन्त्र दिवस बनाया गया ।

सबसे लंबा है अपना लिखित संविधान
लागू किया गया इस दिवस पर,
हर पहलू पर, गहन विम□ा कर
हर अनुच्छेद है, जोड़ा गया ।

संविधान ने, जन मानस को
हैं अनेकों अधिकार दिए,
पर साथ में, कर्तव्य भी हैं
वह सब भी परिभाषित किए।

नेता चुनने का अधिकार
गणतन्त्र का है परम आधार,
स्व□ाासन से हो, सर्वांगिण विकास
यही था उनका विचार ।

गरीबी, अशिक्षा और बेरोज़गारी
कुप्रथाएं हैं समाज़ में जारी,
भ्रश्टाचार की फैली बिमारी
तरक्की कैसे हो हमारी ?

भौतिक संसाधन हैं यहां प्रचूर
विज्ञान और तकनीक में, है ये अव्वल,
जनमानस है मेहनतक□ा
कमी कहां है, जरा ये सोचो!

मैं और मेरा क्या, जब छूटेगा
स्वार्थ से जब ध्यान हटेगा,
भ्रष्टाचार तभी होगा दूर
राष्ट्र प्रेम भी तभी जगेगा।

साफ, स्वच्छ हो पर्यावरण
पूर्ण विकसित हो हर बचपन,
हर हाथ को मिले काम
भागीदारी सब की हो पूर्ण।

आओ, हम संकल्प करें
स्व से पहले, देश रखें,
भाहीदों के पदचिन्हों पर चलें
भारतीय होने का फर्ज़ निभाएं,
भारतीय होने पर गर्व करें।।

सौजन्य,
सुषमा शर्मा ।